ओ दुर्गे मैया सुनले विनती हमारी माई री

ओ दुर्गे मैया सुनले,
विनती हमारी माई री,
हो जा हमपे कृपालु,
हो जा हमपे दयालु,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

जहाँ सावन के झूले,
जहाँ बालू के टीले,
और पीपल की,
ठंडी ठंडी छांव में,
छाँव में छाँव में,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

जहाँ शाम सुहानी,
जहाँ रुत मस्तानी,
बाजे घुंघरू बहारों के,
पांव में पांव में,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

जहाँ स्वर्ण सबेरा,
जहाँ सूरज का डेरा,
आजा कागा की तूँ,
कांव कांव में,
कांव में कांव में,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

जहाँ शर्मो हया है,
जहां धर्म और दया है,
आजा राजेन्द्र के,
गाँव की ठाँव में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ठाँव में ठाँव में,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

ओ दुर्गे मैया सुनले,
विनती हमारी माई री,
हो जा हमपे कृपालु,
हो जा हमपे दयालु,
आजा आजा हमारे भी गाँव में,
टूटी मड़ैया की छांव में।bd।

गीतकार / गायक-राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com